

## वर्ष 2022-23 के बजट में बच्चों की हसिसेदारी

### प्रलिस के ललल:

डुषण 2.0, डीएम ई-वदलल, 'वन क्लास, वन टीवी चैनल' डुरुडुरल, ँकीकृत बल वकलस डुडुनल, ँनँडँडँस- 5 सरवे के नडुकरुष ।

### डेनुस के ललल:

डरलत डें बडुडुडु की सुथतल और उनसे संबुधतल डुदुडु को संबुधतल करुने की ँवशुडुकतल, इस दशल डें सरकरलु डुवलरल उतलँ डँ कदड ।

### डरुडु डें कुडुडु?

डरल डी डें ँक डुर-सरकरली सुंगठन डुवलरल कडु डँ वशलुषण के डुतलडकल, डीते 11 वरुषु के डुकलडले इस वरुष देश डें बडुडुडु को बडुडु डें ँवडुन कल सबसे कड हसलसल डुरलडुत हुडल डै ।

- डेंदुर सरकरल डुवलरल बडुडुडु के ललल बडुडु डुनलने की शुुरुँत डुहली डर वरुष 2008 डें बल बडुडु ववलरुण के डुरकलशन के सुलथ हुडु डी । इसके डलद कडु डरलडुडु ने डी इस करलडु को शुुरु कडुल डै ।

### बडुडुडु से संबुधतल बडुडु डें कुडुल शलडलल डै?

#### डुरडुडुडु:

- वरुष 2022-23 के केंदुरीडु बडुडु डें बडुडुडु के ललल कुल ँवडुन 92,736.5 करुडु डुरडु डै, डुडकल डुडुले बडुडु डें 85,712.56 करुडु डुरडु कल ँवडुन कडुल डुल थल ।

- डुदुडुडु डलह नरलडुकुष डुरडु से 8.19% की वुदुधल डै, कतल डलह केंदुरीडु बडुडु डें कुल वुडुडु डें वुदुधल के ँनुडलत डें नुडी डै ।

- बडुडुडु के ललल बडुडु कल हसलसल इस वतुतुीडु वरुष (2022-23) के ललल केंदुरीडु बडुडु कल केवल 2.35% डै, डलह 0.11% की कडुडी को दरुशलतल डै, डु कल डुडुले 11 वरुषु डें बडुडुडु के ललल ँवडुतल सबसे कडु धनरलशल डै ।

#### कुषुतुरवलर वशलुषण:

##### डल बल सुवलसुथुडु के ललल:

- डल बल सुवलसुथुडु के ललल ँवडुन डें 6.08% की कडुडी की डरु डै ।

- सडुसे डलहतुतुवडुरुण डल सुवलसुथुडु डुडुनलडुडु डें से ँक, NRHM-RCH डुलेकुसी डुल डें 8.22% की कडुडी हुडु डै ।

- डल डुलेकुसी डुल डरलडुडु की सुवलसुथुडु डुरणलडुडु को डुडुडुतु करुने के सुलथ-सुलथ डुरडुनन, डलतु, नवडुतल, डलल ँव कशलुर सुवलसुथुडु (RMNCH+A) की डुरुरतुु को डुरल करतल डै ।

##### डल वकलस करलडुडुडु के ललल:

- डुगले वतुतु वरुष के ललल ँवडुन डें 10.97% की डुरलवतु देखु डरु डै, डु 17,826.03 करुडु डुरडु डै । इनडें डुरक डुषण और ँडुगनवलडुी (डे केडुर) सेवलँ शलडलल डै ।

- डल डलललडुडु और बडुडुडु को ँकीकृत ललडु डुरदलन करुने वलली डुषण 2.0 डैसी डुडुनलडुडु को इस वरुष कुडु अतुरलकलत धनरलशल ँवडुतल नुडी हुडु ।

- वरुष 2022-23 डें **डुरधलनडुतुरी डुषण शकुतु नरलडुण (डीडु डुषण) करलडुडुडु** के ललल 10,234 करुडु डुरडु कल ँनुडलनतल बडुडु सुवुीकृत कडुल डुल डै । डुडुले वरुष सुशुुधतल ँनुडलन 10,234 करुडु डुरडु थल ।

- इस डुडुनल को डुहले 'वदुललडुडु डें डुधुडुलहन डुडुन रलषुदुरीडु करलडुडुडु' के डुरडु डें डलनल डलतल थल और इसडें 6 से 14 वरुष की ँडु तक के सुकुली बडुडुडु को डुरडु डुकल हुडुल डुडुन डुरदलन कडुल डलतल थल ।

##### डल शकुषल के ललल:

- डल शकुषल के ललल बडुडु कल हसलसल डललु वतुतु वरुष डें 1.74% से केवल 0.3% ँक की डलडुली वुदुधल के सुलथ डुगले वतुतु वरुष के ललल 1.73% हु डुल डै ।

- बडुडु डें डुषतल 'वन क्लास, वन टीवी चैनल' करलडुडुडु बडुडुडु के ललल सुलखुने कल ँक कठनल तुरीकल डै ।

- डीडु डुषण के 'वन क्लास, वन टीवी चैनल' करलडुडुडु कल वसलतलर 12 से 200 टीवी चैनलु तक कडुल डलडुगल ।

##### डल बडुडुडु के संरकुषण और कलडुण के ललल:

- महिला एवं बाल विकास मंत्रालय को मशिन वात्सल्य के अंतर्गत बच्चों की सुरक्षा एवं कल्याण योजनाओं के लिये 1,472.17 करोड़ रुपए आवंटित किये गए।
  - यह इस वित्त वर्ष की तुलना में 65% अधिक है, लेकिन योजना के पुनर्गठन से पहले 2019-2020 में 15,000 करोड़ रुपए के आवंटन से कम है।

## बच्चों के लिये बजट संबंधी मुद्दे:

- **मात्र वार्षिक लेखा अभ्यास:**
  - केंद्र सरकार द्वारा बच्चों के लिये **बजट बनाना केवल एक वार्षिक लेखांकन अभ्यास** तक सीमिति रह गया है, जबकि बाल बजट वविरण (CBS) का प्रकाशन सभी विभागों में प्रासंगिक बजट शीर्षों को मिलाकर किया गया है।
    - यह अकेले बच्चों की विशेष ज़रूरतों के प्रति उत्तरदायी रहने के मूल उद्देश्य को पूरा करने के लिये बहुत कम है।
- **राज्य सरकारों में ज़िम्मेदारी की कमी:**
  - बच्चों के लिये कई महत्त्वपूर्ण योजनाओं को लागू करने हेतु मुख्य रूप से ज़िम्मेदार होने के कारण राज्य सरकारें इस अभ्यास को आगे बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका नभाती हैं।
    - लेकिन उनके द्वारा भी बच्चों के लिये अधिक प्रभावी ढंग से योजना बनाने और हस्तक्षेप हेतु एक उपकरण के बजाय इसे एक लेखांकन ज़िम्मेदारी के रूप में माना जाता है।
- **मानकीकरण का अभाव:**
  - इसके अलावा सरकारी संस्थाओं के बीच संबंधित बाल बजट वविरण (CBS) की रपिर्टिंग हेतु मानदंडों के मानकीकरण की कमी है।

## भारत में बच्चों की स्थिति:

- हाल ही में **NFHS-5 के सर्वेक्षण** में बाल स्वास्थ्य और पोषण पर मशिरति तस्वीर सामने आई है।
  - एक तरफ इसके बाल मृत्यु दर में कमी, **पोषण संकेतकों के स्तर में सुधार जैसे स्टंटिंग और वेसटिंग** आदि निश्चित सकारात्मक पहलू हैं।
  - दूसरी ओर इस दौर में बच्चों में **एनीमिया** की घटनाएँ **NFHS 4 में 58.6% से बढ़कर 67.1%** के खतरनाक स्तर पर पहुँच गई हैं, प्रमुख विशेषज्ञों का कहना है कि **SDG लक्ष्य 2030** को पूरा करने के लिये और अधिक प्रयासों की आवश्यकता है।
- **ASER सर्वेक्षण नषिकर्ष:**
  - लगातार **ASER सर्वेक्षणों** ने बताया है कि वर्ष 2020 और 2021 के बीच स्कूल में नामांकित बच्चों के अनुपात में कोई सुधार नहीं हुआ है और इस संबंध में **राज्यों के बीच बहुत अधिक परिवर्तनशीलता** है।
- **कोवडि-19 का प्रभाव:**
  - कोवडि-19 ने बच्चों को विविध तरीकों से प्रभावित किया है चाहे वे शारीरिक, भावनात्मक, संज्ञानात्मक या सामाजिक प्रभाव हों, इसमें शामिल हैं- संक्रमण या प्रवास, पारिवारिक संकट, दोस्तों से अलगाव, सीखने की प्रक्रिया में बाधा, पर्यावरण, स्वयं या परिवार के सदस्यों का अस्पताल में भर्ती होना, कार्य में वयस्कों की भूमिका या फरि वविह।
  - कोवडि-19 ने भारत में बच्चों की शिक्षा, पोषण और विकास तथा बाल संरक्षण तक उनकी पहुँच को गंभीर रूप से प्रभावित कर दिया था।

## आगे की राह

- क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों से संबंधित हस्तक्षेपों पर कार्य करने वाले सरकारी अधिकारियों का अनुमुखीकरण न केवल CBS में रपिर्टिंग के लिये बल्कि उन्हें योजनाओं को पुनः बेहतर ढंग से डिज़ाइन करने तथा नियमि आधार पर उनकी प्रगति की नगिरानी करने में सक्षम बनाने हेतु भी महत्त्वपूर्ण है।
- परविद्यों को बेहतर परिणामों में परिवर्तित करने हेतु बच्चों के लिये बजट का एक परिणाम अभविन्यास आवश्यक है।
- CBS में रपिर्टिंग संरचना को मानकीकृत करने की तत्काल आवश्यकता है तथा केंद्र सरकार CBS को जवाबदेही का एक प्रभावी साधन बनाने के लिये राज्यों और विशेषज्ञों के परामर्श से इसके लिये एक वसितुत ढाँचा विकसित कर सकती है।
- संबंधित मंत्रालयों द्वारा बाल संबंधित योजनाओं की नियमि नगिरानी और लेखापरीक्षा की जानी चाहिये।

## स्रोत: द हट्टू